कार्यालय प्राचार्य, शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय (सी.टी.ई.)
शंकर नगर रायपुर, 492007 (छ.ग.)
☎ : 0771-2443796, Fax-0771-2443796, e-mail address- ctechhattisgarh@gmail.com
NAAC Accredited Institute With B++

क./शोध,नवाचार एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ/सेमीनार/2016–17/1385 रायपुर, दिनांक 09.01.2017

प्रति,

.....

.....

.....

विषय :– दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन दिनांक 11 एवं 12 फरवरी 2017।

———00———

शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर छ.ग. द्वारा शिक्षक शिक्षा की वर्तमान चुनौतियों पर दिनांक 11 एवं 12 फरवरी को एक सेमीनार आयोजित किया जा रहा है। इस सेमीनार में निम्न मुद्दों पर विमर्श किया जावेगा –

1. बी.एड. पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण ढ़ॉचा एवं द्विवर्षीय करने के पीछे तर्क।
2. स्कूल इन्टर्नशिप कार्यक्रम की मुख्य धारणाएं एवं कियान्वयन की प्रकिया।
3. बी.एड. पाठ्यक्रम का मूल्यांकन कैसा हो ताकि पाठ्यक्रम की मंशा पूरी हो सके।
4. बी.एड. पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषय जैसे– भाषा प्रवीणता, सीखने का आंकलन एवं मूल्यांकन तथा स्व का विकास के पीछे अन्तर्निहित भावनाएं।

इस सेमीनार में सम्मिलित होने हेतु आपके महाविद्यालय से दो संकाय सदस्य आमंत्रित है। यात्रा व्यय देय नही होगा।

कार्यक्रम स्थल :– शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, शंकरनगर रायपुर (छ.ग.)

समय :– प्रातः 9:30 बजे से

संलग्न :– शिक्षक शिक्षा का आधार पत्र।

प्राचार्य
शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय
शंकरनगर, रायपुर (छ.ग.)

शिक्षक शिक्षा में राष्ट्रीय सेमीनार हेतु आधार पत्र

राष्ट्रीय शिक्षा आयोग (1964–66) ने कहा था कि – भारत की नियति इसके कक्षा कक्षों में गढ़ी जा रही है, हमें इस पर विश्वास है यह केवल बयानबाजी नहीं है (The destiny of India is now being shaped in classroom. This we believe no more rhetoric)। इस धारणा को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि कक्षा कक्ष में आयोजित होने वाले कियाकलापों पर सभी वर्गों का विश्वास हो। समाज यह विश्वास करे कि शाला में आयोजित सभी कार्यक्रम बच्चों के विकास के लिए सार्थक हैं, बच्चों में यह विश्वास हो कि स्कूल में वे जो सीखते हैं वह उनके लिये जीवनोपयोगी है तथा प्रत्येक शिक्षक में यह विश्वास हो कि प्रत्येक बच्चा सीख सकता है एवं प्रत्येक शिक्षक सिखा सकता है।

स्कूल पर विश्वास को बनाये रखने के लिए इससे जुड़े सभी वर्गों को अपनी भूमिका का यथोचित निर्वहन करना होगा। जैसे एक स्कूल की कल्पना बिना शिक्षक के नहीं की जा सकती वैसे ही स्कूल में आयोजित होने वाली ज्यादातर गतिविधियों के लिए शिक्षक जिम्मेदार होते हैं। कई अवसरों पर यह विचार उभर कर आता है कि क्या शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों का वांछित निष्पादन कर पा रहे हैं? इसके उत्तर की झलक छात्रों की उपलब्धि एवं समाज का शिक्षकों पर विश्वास से प्राप्त होती है। इसमें जो कमियां है उसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या शिक्षक की तैयारी तथा उनके निरंतर क्षमता विकास के कार्यक्रम शिक्षकों में इतना आत्मविश्वास उत्पन्न करने में सक्षम है कि वह उनके लिए संकल्पित भूमिका का निर्वहन कर सकें? जस्टिस वर्मा कमीशन ने इन्हीं मुद्दों पर गहन विचार विमर्श कर शिक्षक शिक्षा के गुणवत्ता एवं नियामक परिप्रेक्ष्य की समालोचना करते हुए कई सुझाव दिए हैं। इन सुझावों को आधार बनाकर सेवा पूर्व शिक्षक शिक्षा में कई नीतिगत परिवर्तन लाए गए हैं तथा इन्हें अपर्याप्त तैयारी के साथ लागू भी कर दिया गया है।

उपरोक्त परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए क्या सत्र 2015 में लागू किए गए नए पाठ्यक्रम शिक्षकों के सशक्तिकरण में मददगार होंगे? क्या ये बदलाव जस्टिस वर्मा कमीशन के सुझावों को वास्तविकता में परिवर्तित कर सकेंगे? क्या शिक्षक की तैयारी उन्हें शिक्षकीय पेशा के प्रति गौरव का भाव उत्पन्न करने में मद्द करेंगे? क्या शिक्षक की तैयारी से जुड़ी हुई संस्थाओं में यह विश्वास है कि उनके प्रयास से तैयार किए गए शिक्षक समाज की भावनाओं के अनुरूप कार्य करने में दक्ष होंगे। इसके साथ ही कुछ और प्रश्न भी हैं।

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता, मानदण्ड तथा कियाविधि) विनियम 2014 के तहत शिक्षक शिक्षा के लिए आयोजित कार्यक्रमों में समयावधि एवं पाठ्यक्रम में बदलाव आया है। क्या पाठ्यक्रम और स्कूल इंटर्नशिप में बदलाव गुणवत्तायुक्त शिक्षक शिक्षा सुनिश्चित कर सकेंगे?

यह स्पष्ट है कि कितना भी अच्छा पाठ्यक्रम क्यों न हो उसको यदि ठीक ढंग से कियान्वित न किया जाए तो वह कमजोर बन जाता है वैसे ही परीक्षा परिणाम उन्मुखी समाज में मूल्यांकन की व्यवस्था किसी पाठ्यक्रम की मूल भावना को समाप्त कर सकती है। यद्यपि मूल्यांकन व्यवस्था पाठ्यचर्या का एक महत्वपूर्ण भाग है परन्तु कई उदाहरण ऐसे हैं जहां पाठ्यक्रम में किए गए परिवर्तन मूल्यांकन व्यवस्था की कमजोरी के कारण प्रभावशाली नहीं बन सके। इस लिए ऐसा प्रतीत होता है कि मूल्यांकन व्यवस्था के नवीनी करण पर चर्चा की जानी चाहिए। वर्तमान संदर्भ में शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए यह समझना अत्यन्त आवश्यक है कि इन परिवर्तनों की मंशा क्या है तथा वास्तविक परिस्थिति में इनके साथ न्याय कैसे किया जावे? साथ

ही यह भी समझना आवश्यक है कि हिन्दी भाषी क्षेत्रों में इसे लागू करने के लिए पाठ्यसामग्रियों का चयन किस प्रकार किया जावेगा?

शायद ये चिंताएं शिक्षक शिक्षा से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को सोचने के लिए विवश करती हैं परन्तु एक लम्बे समय से चली आ रही व्यवस्था को बदलने के लिए एक साथ कई दिशाओं से प्रयास करने की आवश्यकता होती है, जो प्रयास किए जा रहे हैं वे शायद पर्याप्त नहीं हैं। इन्हीं मुद्दों पर विचार करने के लिए **शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय दिनांक 11 एवं 12 फरवरी को एक सेमिनार आयोजित करने जा रही है।** इस सेमिनार में निम्न मुद्दों पर विमर्श किया जावेगा–

1. बी.एड. पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण ढाँचा एवं द्विवर्षीय करने के पीछे तर्क
2. स्कूल इन्टर्नशिप कार्यक्रम की मुख्य धारणाएं एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया
3. बी.एड. पाठ्यक्रम का मूल्यांकन कैसा हो ताकि पाठ्यक्रम की मंशा पूरी हो सके
4. बी.एड. पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषय जैसेः भाषा प्रवीणता, सीखने का आंकलन एवं मूल्यांकन तथा स्व का विकास, के पीछे अन्तर्निहित भावनाए।

इन मुद्दों पर चर्चा हेतु निम्नलिखित स्त्रोत व्यक्ति उपलब्ध हैः–

- प्रो. अनिता रामपाल, दिल्ली विश्वविद्यालय
- प्रो, स्मृति शर्मा, लेडी श्रीराम कॉलेज, नई दिल्ली
- डॉ. जितेन्द्र पाटीदार, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
- प्रो. एच.के. दीवान, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय
- श्री सी.एन. सुब्रमण्यम, एकलव्य होशंगाबाद
- प्रो. के.के. बिस्वाल, न्यूपा नई दिल्ली
- डॉ. एन.के. मोहन्ती, न्यूपा नई दिल्ली

इस कार्यक्रम का संयोजन डा. श्रीमती प्रतिभा देवांगन द्वारा किया जा रहा है, किसी प्रकार की शंका की स्थिति में उनसे सम्पर्क किया जा सकता है। उनका मोबाइल नं **9179479997** तथा श्रीमती एम. विजयलक्ष्मी मोबाइल नम्बर **9111606686** एवं श्री संतोष तम्बोली मोबाइल नम्बर **7587499903** तथा ई मेल आई. डी **ctechhattisgarh@gmail.com** है।

प्राचार्य
शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय
शंकरनगर, रायपुर (छ.ग.)

Last Date of registration: **31/01/2017**

Registration through email: ctechhattisgarh@gmail.com

sktamboli@gmail.com

Only two participants per college are allowed, **for attending the seminar confirmation from Govt. College of Education Raipur is mandatory**. For registration just send the nomination to above mail address and get confirmation either in mail or phone from Mrs. Pratibha Dewangan (9179479997) or Mrs. M. Vijaylaxmi (9111606686) or Santosh Tamboli (7587499903).

****